

डॉ. जोनाथन ग्रीर, पुरातत्व और पुराना नियम, सत्र 4, हिब्रू साम्राज्य

© 2024 जोनाथन ग्रीर और टेड हिल्डेब्रांट

यह पुरातत्व और पुराने नियम पर अपने शिक्षण में डॉ. जोनाथन ग्रीर हैं। यह सत्र 4, हिब्रू साम्राज्य है।

वापसी पर स्वागत है। अब हम हिब्रू साम्राज्यों के बारे में बात करने जा रहे हैं और इसे शुरू करने जा रहे हैं, अपने विस्तार को जारी रखने के लिए, आरंभिक इज़राइल से शुरू करते हुए, और अब उस समय के बारे में बात करते हैं जब हमारे पास आदिवासी खानाबदोश के अस्तित्व से, जैसा कि पारंपरिक रूप से समझा जाता है, राजशाही में संक्रमण हो रहा है। . लेकिन हाल के वर्षों में भी, जिस तरह से लोगों ने इसकी संकल्पना की है, उसमें काफी बहस और बदलाव हुए हैं। ऐसा सोचा जाता था कि हम राजशाही के बारे में किसी प्रकार के मध्ययुगीन प्रतिमान के संदर्भ में सोचेंगे जो स्मारकीयता, भव्य संरचनाओं और विस्तृत पदानुक्रमों द्वारा चिह्नित है, जहां नए शोध से पता चलता है कि यह कुछ सामाजिक लोगों के साथ बहुत करीबी संबंध रखता है। ऐसी संरचनाएँ जो खानाबदोश प्रथा का अभ्यास करने वाले इन समान समाजों के भीतर क्रियाशील हैं।

तो, हम उस पर संक्षेप में बात करेंगे, लेकिन हम प्रारंभिक राजशाही और संक्षेप में बाइबिल चित्रण से शुरू करेंगे। तो, आपको याद होगा कि हमारे पास इस्राएल के पहले राजा के रूप में शाऊल है, जिसका न्यायाधीशों के काल से बाहर इस परिवर्तन में सैमुअल द्वारा अभिषेक किया गया था। और यहां तक कि बाइबिल के चित्रण में भी, राजत्व के बारे में कुछ तनाव है।

यह कौन व्यक्ति है जो अब इन सभी लोगों से महान बनने जा रहा है? क्या यह एक अच्छा विचार है या नहीं? और उत्प्रेरक यह फ़िलिस्ती खतरा हो सकता है। हमारे पास बाइबिल का रिकॉर्ड है जिसमें कहा गया है, हमें अन्य राष्ट्रों की तरह एक राजा दीजिए। हर किसी के पास एक है।

हम भी एक चाहते हैं। लेकिन यह प्रेरणा क्या है? क्या यह फ़िलिस्तियों के खिलाफ़ सैन्य मोर्चा खोलने के लिए इन कबीले समूहों को एक साथ लाने के लिए है या उनकी रक्षा के लिए, जैसा कि कई लोग सुझाव देंगे? लेकिन हम इन शुरुआती कहानियों में यह भी देखते हैं कि उत्तर के आदिवासी समूहों और दक्षिण के आदिवासी समूहों के बीच तनाव है। शाऊल के उत्थान और पतन के बाद, हमारे पास डेविड है, जिसमें एक चरवाहे, संगीतकार, भाड़े के सैनिक, योद्धा, राजा, व्यभिचारी, हत्यारे और फिर भी एक अभिषिक्त मसीहा के रूप में डेविड का एक बहुत ही जटिल चित्रण है।

ऐसा लगता है कि हमारे पास उनके बारे में अलग-अलग परंपराएं हैं जो लौह प्रथम के अंत और लौह युग द्वितीय की शुरुआत के बीच इस संक्रमण काल के सांस्कृतिक संदर्भ में फिर से गूँजती हैं। अब, जब हम पुरातत्व की ओर मुड़ते हैं, तो कुछ चुनौतियाँ आती हैं। एक तो इस समय किसी भी शिलालेख में प्राचीन इज़राइल का उल्लेख न होना है।

हम पहले ही इजराइल के पहले विवरण या प्रथम उल्लेख का उल्लेख मेरेन पट्टा स्टेल में कर चुके हैं, लेकिन 9वीं शताब्दी तक कोई दूसरा उल्लेख नहीं था। इसलिए, 11वीं और 10वीं शताब्दी के दौरान, इजराइल के राज्य या यहूदा या डेविड या सोलोमन के राज्य या ऐसी किसी इकाई का कोई उल्लेख नहीं है जिसे हम सीधे बाइबिल पाठ से जोड़ सकें। और इसलिए, हमारे पास एक संदर्भ है जो बहुत करीब आता है, और वह एक मिस्र का संदर्भ है, एक अभियान जो प्राचीन मिस्र के इस तीसरे मध्यवर्ती काल में लीबिया राजवंश के एक निश्चित शांक द्वारा किया गया था, और उसने इन स्थानों की सूची छोड़ी थी कर्णक की दीवारों पर सबसे प्रसिद्ध, महान कर्णक मंदिर पर विजय प्राप्त की।

वह उन स्थानों के नाम बताता है जिन पर उसने इस क्षेत्र में विजय प्राप्त की है, जिनमें से कई को बाइबिल के शहरों से जोड़ा जा सकता है, इतना कि उसके यात्रा कार्यक्रम को रेखांकित किया जा सकता है। निःसंदेह, विशेष रूप से इस बात पर बहस चल रही है कि यह यात्रा कार्यक्रम कैसे जुड़ता है, लेकिन इससे पता चलता है कि उसने मध्य पहाड़ी देश में घुसपैठ की, और वह उत्तर के साथ-साथ दक्षिण में भी गया। यह दक्षिण में बाइबिल की कहानी में सुलैमान और उसके बेटे रहूबियाम और उत्तरी राज्य में यारोबाम के बीच संक्रमण में होता है।

तो, यह रहूबियाम के शासनकाल के दौरान घटित होता है। लेकिन इसके अलावा, हमारे पास सुलैमान या रहूबियाम का कोई उल्लेख नहीं है, केवल कुछ शहरों के नाम हैं जो पंक्तिबद्ध हैं। इसके अलावा, हमारे पास कोई असीरियन रिकॉर्ड नहीं है, लेकिन यह बिल्कुल आश्चर्यजनक नहीं है क्योंकि असीरिया ने अभी भी लेवंत में विस्तार करना शुरू नहीं किया है।

यह बाद में 9वीं शताब्दी में आएगा, जब वास्तव में, हम उनमें इस्राएली और यहूदी राजाओं का उल्लेख करना शुरू करेंगे। लेकिन अभिलेखीय सामग्री की कमी को लेकर कुछ जटिलताएँ हैं, विशेषकर सोलोमन के साथ। सोलोमन, डेविड का अनुसरण करते हुए, एक गैंगस्टर-शैली के मृत्युशय्या दृश्य की तरह है क्योंकि सत्ता सोलोमन को दे दी गई है, वह अविश्वसनीय धन विकसित करता है, विवाह के माध्यम से विदेशी लोगों के साथ कई गठजोड़ करता है, और बड़े पैमाने पर मूर्तिपूजा करता है।

तो, यह पुराने नियम की कहानी की इन विडंबनाओं में से एक है, यह अपनी बुद्धिमत्ता के लिए सम्मानित व्यक्ति है जो इन इजराइली राजाओं के सबसे महान मूर्तिपूजकों में से एक है। अब, जब हम सुलैमान के बारे में बात करते हैं, जैसा कि उसे एक विशाल लघु-साम्राज्य वाले महान सम्राट के रूप में वर्णित किया गया है, यह वह जगह है जहां हम वास्तव में कुछ शिलालेख सामग्री देखना चाहेंगे, और हमारे पास कोई भी नहीं है। इसलिए, जब हम पुरातत्व की ओर मुड़ते हैं, तो सोलोमन के साथ अधिकांश संबंध स्मारकीय वास्तुकला के संबंध से आते हैं, जो पारंपरिक रूप से 10 वीं शताब्दी के दृश्य में उभरता है, और समस्या यह है कि इस पर एक उग्र बहस चल रही है। 10वीं सदी, हम इन सामग्रियों की तारीख कैसे तय करते हैं, क्या वे वास्तव में 10वीं सदी की हैं, या वे 9वीं सदी की हैं, और इसलिए इसे उच्च और निम्न कालक्रम के बीच अंतर के रूप में जाना जाता है।

इसलिए, चूंकि सोलोमन के शासन के लिए कोई प्रत्यक्ष शिलालेखीय साक्ष्य नहीं है, इसलिए कई लोगों ने कुछ स्मारकीय वास्तुकला को जोड़ा है, जिसे पारंपरिक रूप से इस समय अवधि के लिए सोलोमन की राजशाही के साक्ष्य के रूप में समझा जाता है। एक महान, शक्तिशाली राजशाही क्योंकि हमारे पास पारंपरिक रूप से 10 वीं शताब्दी के रूप में समझा जाता है, स्मारकीय वास्तुकला का एक विस्फोट, एक आंतरिक और एक बाहरी दीवार द्वारा बनाई गई कैसमेट दीवारें जो कि मलबे से भरी जा सकती हैं या रिक्त स्थान के रूप में उपयोग की जा सकती हैं बहु-कक्षीय द्वारों से जुड़ा होगा, सबसे प्रसिद्ध विशाल गार्ड टावरों वाला छह-कक्षीय द्वार, दहलीज जहां बड़े दरवाजे रखे गए होंगे, और इस स्मारकीय वास्तुकला की खोज के साथ पुरातत्व के शुरुआती दिनों में बहुत उत्साह था। सुलैमान के काल की विशेष मिट्टी की बर्तन शैलियाँ। तो यहाँ यह है, हमारे पास कोई शिलालेख नहीं है, लेकिन वास्तव में, हम सुलैमान को इस स्मारकीय वास्तुकला में देखते हैं, यहां तक कि विशेष रूप से उन स्थानों पर भी जिनके बारे में बाइबिल में कहा गया है कि उन्होंने इसे बनाया था।

तो, यह सब काफी रोमांचक है। हालाँकि, एक और सिद्धांत सामने आया है और सुझाव दिया गया है कि, वास्तव में, जिस वास्तुकला को पारंपरिक रूप से 10वीं शताब्दी का माना जाता है, वह 9वीं शताब्दी और ओमराइड्स के शासनकाल की होनी चाहिए। और इसलिए, 10वीं शताब्दी में, बड़ी वास्तुकला गायब हो जाती है, और सुलैमान अब एक पुरातात्विक तस्वीर में वापस आ गया है जो डेविड और शाऊल के किसी प्रकार के आदिवासी सरदार की तरह दिखता है।

इसलिए, हम इसे कालानुक्रमिक बहस कहते हैं। एक ओर, उच्च कालक्रम है, और दूसरी ओर, निम्न कालक्रम है। पिछले कुछ दशकों की बहसों में इनका प्रतिनिधित्व दो प्रमुख पुरातत्वविदों, अमी मज़ार और इज़राइल फ्रिकेलस्टीन द्वारा किया गया है।

मज़ार ने तब से अपने कालक्रम को थोड़ा सा स्थानांतरित कर दिया है जिसे वह संशोधित पारंपरिक कालक्रम कहेंगे, लेकिन हम यहां इन शब्दों का उपयोग केवल आसानी के लिए करेंगे। उच्च कालक्रम पारंपरिक ढांचा है और हमारे द्वारा देखी जाने वाली स्मारकीय इमारतों का वर्णन करता है। यहां, आप हज़ोर से गार्ड टावरों और छह-कक्षीय गेट का एक उदाहरण देख सकते हैं।

ये वे नींव हैं जिन पर दीवारें बनाई गई होंगी, और एक तरफ से बाहर की ओर जाने वाली एक कैसिमेट दीवार है। हमारे पास खंभों वाले भंडारगृह भी हैं जिनका श्रेय रथ युद्ध को दिया जाता है, इस बात पर बहस होती है कि क्या वे अस्तबल थे या भंडारगृह या दोनों। हमारे पास इन स्थलों पर बड़े-बड़े कुंड हैं और प्रमुख, प्रमुख कुंड हैं जिन्हें वास्तुशिल्प रूप से व्यक्त की गई इस स्मारकीयता के एक संकेतक के रूप में भी देखा गया है।

निम्न कालक्रम, पिछली अवधि, स्वर्गीय कांस्य युग, के कुछ पलिश्टी चरणों के पुनर्निर्धारण से शुरू होकर, 10वीं शताब्दी के उन अवशेषों की, जिन्हें परंपरागत रूप से 10वीं शताब्दी के रूप में समझा जाता है, 9वीं शताब्दी की फिर से व्याख्या करता है, और उन्हें 9वीं शताब्दी के साथ जोड़ता है। ओमराइड राजवंश, उत्तरी साम्राज्य का सबसे शक्तिशाली राजवंश, जिसका निश्चित

रूप से दक्षिण के अधिकांश हिस्सों पर भी प्रभुत्व था, जैसा कि बाइबिल में चित्रित किया गया है और जैसा कि पुरातात्विक रूप से समझा जाता है। इस बहस में शामिल विभिन्न कारकों में से सबसे बड़ा कारक रेडियोकार्बन डेटिंग, C14 है। अब, बड़ी समस्या यह है, आपको याद होगा, तरीकों की हमारी चर्चा में, त्रुटियों की एक श्रृंखला है।

यह लगभग 7,500 वर्ष है। खैर, उच्च कालक्रम और निम्न कालक्रम के बीच यही अंतर है। तो, आपके पास उच्च कालक्रम का समर्थन करने वाले और निम्न कालक्रम का समर्थन करने वाले लोगों के डेटा का एक बड़ा संयोजन है, जिन्हें एक साथ रखा गया है, प्रत्येक अपनी स्थिति के लिए बहस कर रहे हैं।

ऐसा प्रतीत होता है, कम से कम मेरे विचार से, कई पुरातात्विक कारक हैं जो किसी को उच्च कालक्रम, या कम से कम मजार के संशोधित पारंपरिक कालक्रम की ओर झुकाव के लिए प्रेरित करेंगे, जो शायद हमें इन विभिन्न के बीच एक स्थान को पहचानते हुए अपनी तिथियों को थोड़ा स्थानांतरित करने के लिए कहते हैं। वास्तुशिल्प चरण जिन्हें परंपरागत रूप से 10वीं और 9वीं शताब्दी के रूप में समझा जाता है। क्योंकि समस्याओं में से एक यह है कि जब 10वीं शताब्दी चली जाएगी, तो बहुत सारी पुरातात्विक सामग्री होगी जिसे एक छोटी समय सीमा में संपीड़ित करने की आवश्यकता होगी। कुछ विशिष्ट मिट्टी के बर्तनों की शैलियाँ भी हैं जो कुछ निश्चित विनाश परतों के अंतर्गत आती हैं, जिन्हें कुछ लोग शीशक विजय के साथ जोड़ेंगे।

लेकिन वहां भी, यह जटिल है क्योंकि प्राचीन दुनिया में विजय क्या है? क्या यह बस एक शहर में आकर कह रहा है, मैं मालिक हूँ, और लोग कहते हैं, ठीक है, तुम वहां जाओ, वहां एक विजित शहर है। इसलिए, इस क्षेत्र में भूकंप भी आते हैं और स्थानीय झड़पें भी होती हैं। इसलिए, सिर्फ इसलिए कि हमें एक विनाश परत मिलती है जो शीशक के समय के आसपास है, हमें उस विनाश परत को शीशक के विशिष्ट अभियान से जोड़ने में सावधान रहना चाहिए, जो लगभग 925 ईसा पूर्व के आसपास हुआ माना जाता है।

डेटिंग के संबंध में बहुत सारी जटिलताएँ हैं, C14 और मिट्टी के बर्तनों की शैली, जिसका मैंने अभी उल्लेख किया है, दोनों में। कुछ रोमांचक लेकिन विवादास्पद नई खुदाई भी हुई हैं। डेविड शहर में से एक राजनीति और पुरातात्विक व्याख्या से जटिल है क्योंकि यह एक ऐसे क्षेत्र में है जो फिलिस्तीनियों द्वारा बसा हुआ है।

और इसलिए, आपके मन में उन लोगों के प्रति एक निश्चित प्रतिरोध है जो उस क्षेत्र में उपस्थिति स्थापित करने के लिए पुरातत्व को एक राजनीतिक उपकरण के रूप में उपयोग करने का प्रयास कर सकते हैं। तो, यह आधुनिक राजनीतिक बहस में शामिल हो गया है। लेकिन इसने पुरातात्विक बहस के लिए चारे के रूप में भी काम किया है, एलियाट मजार की खुदाई में, और बड़े पैमाने पर वास्तुकला की खोज की गई है जो 9 वीं शताब्दी से पहले की अवधि के लिए मिट्टी के बर्तनों पर आधारित डेटिंग के साथ बहुत स्पष्ट लगती है।

यह निश्चित रूप से 10वीं शताब्दी है। कई लोग इसका श्रेय इस स्मारकीय वास्तुकला को देंगे। तो, सवाल यह उठता है कि इसे किसने बनवाया? हमें इस वास्तुकला का श्रेय किसे देना चाहिए? क्या

यह डेविड है? क्या यह सुलैमान है? क्या यह बाद का प्रशासनिक भवन है, उनकी नींव? हमारे पास नामों और मुहर छापों में रोमांचक खोजें हैं, जिसके बारे में हम आने वाली स्लाइड में बात करेंगे जो इस क्षेत्र से सामने आई है।

तो, पुरातात्विक दृष्टि से इस क्षेत्र में बहुत ही रोमांचक खुदाई हुई है, जो डेविड के इस तथाकथित शहर में बड़ी इमारतों को दिखाती प्रतीत होती है। वे सीढ़ीदार पत्थर की संरचना द्वारा भी समर्थित हैं जिसकी एक तस्वीर मैं अगली स्लाइड में दिखाऊंगा। यह विशाल रिटेनिंग दीवार शहर को किडोन घाटी में फिसलने से बचाने के लिए बनाई गई है।

और जब आप उस तरह की विशाल रिटेनिंग दीवार देखते हैं, तो यह निश्चित रूप से सुझाव देता है कि शीर्ष पर महत्वपूर्ण वास्तुकला थी। फिर, अनुमान लगाइए, सीढ़ीदार पत्थर की संरचना का कालनिर्धारण क्या है? बहस हुई। लेकिन हमारे पास इस क्षेत्र में कई प्रमुख वास्तुकलाएं हैं जो इस समयावधि के दौरान प्रारंभिक इज़राइल की राजधानी के रूप में काम करती होंगी।

किर्बिट शहर है क्रेइयाफ़ा, जो एक बार फिर बहस का विषय रहा है कि इसका श्रेय किसे दिया जाना चाहिए। तो, यह एक प्रारंभिक साइट है, यदि कम से कम 10वीं नहीं, लेकिन कई लोग इसे 11वीं या उन युगों के बीच का संक्रमण कहेंगे। और फिर, यह यहां डेटिंग पर निर्भर करता है।

लेकिन अगर इसे डेविड के समय का माना जाता है, तो यह एक केंद्रीकृत सरकार का संकेत होगा जो घाटियों तक भी अपनी पहुंच बढ़ा सकती है। तो, आपके पास ये घाटी किले हैं जो तटीय मैदानों से किसी भी घुसपैठ से रक्षा कर रहे हैं। तो क्रियाफ़ा धक्का-मुक्की की इस चर्चा में एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है जो घाटियों के माध्यम से आगे और पीछे जाता है, जो गथ से बहुत दूर नहीं है, जो एक प्रमुख फिलिस्तीनी केंद्र था, शायद इस समय अवधि का सबसे महत्वपूर्ण फिलिस्तीनी केंद्र।

तो फिर, बहस जारी है, और इसका बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि कोई बाइबल में दिए गए डेटा को कैसे समझता है। इसलिए, हम उन लोगों के बीच कुछ चरम सीमाओं पर वापस आते हैं जो बाइबल में ऐतिहासिक डेटा को कम से कम करेंगे और जो उस ऐतिहासिक डेटा को अधिकतम करेंगे। जब हम सोचते हैं, पीछे हटते हैं और सुलैमान को उसके संदर्भ में देखते हैं, तो हम बाइबिल के आंकड़ों से सुलैमान के साम्राज्य की एक शक्तिशाली साम्राज्य के रूप में प्रस्तुति प्राप्त करते हैं।

पुरातात्विक सामग्री के आधार पर इस पर सवाल उठाया गया है। लेकिन हमारे पास आधुनिक अरावा घाटी, एदोम के पारंपरिक क्षेत्र में नई खुदाई हुई है, जो हाल ही में काफी चर्चा का विषय रही है। गतिविधि की चरम सीमा 11वीं और 10वीं शताब्दी की है, जिससे पता चलता है कि एक खानाबदोश राजनीति थी जो जॉर्डन में फेनान और लाल सागर के सुदूर दक्षिण में तिम्रा के बीच के क्षेत्र में प्रमुख तांबे के उत्पादन में लगी हुई थी।

तो, आपके पास यह विशाल क्षेत्र है जो व्यापक धातु उत्पादन को दर्शाता है। हमारे पास इन साइटों, दर्जनों गलाने वाली साइटों और 10,000 से अधिक खदानों में 100,000 टन से अधिक

स्लैग की पहचान की गई है। इनमें से कुछ शाफ्ट 70 मीटर तक गहरे हैं, जो अभूतपूर्व है और रोमन काल तक दोबारा नहीं देखा गया था।

तो, यह एक प्रमुख, प्रमुख राजनीति है जो कार्य कर रही है लेकिन प्रतीत होता है कि तंबू में रह रही है। इसलिए, सामाजिक संगठनों के बारे में हम क्या सोचते हैं, इस पर सवाल उठ रहे हैं। यह कैसे काम करता है? क्या हम अभी भी राज्य के किसी प्रकार की सामंती व्यवस्था के प्रतिमान के साथ काम कर रहे हैं जिसमें शीर्ष पर एक राजा एक आलीशान महल में रहता है? क्या हमें शायद कबीले संघों के खानाबदोश मॉडल के बारे में अधिक सोचना चाहिए? और हम इस बारे में तब कुछ बात करेंगे जब हम प्राचीन इज़राइल की सामाजिक सेटिंग के बारे में बात करेंगे।

कुछ लोग सुझाव दे रहे हैं कि हम सुलैमान के शक्तिशाली साम्राज्य के प्रति अपनी अपेक्षाओं पर पुनर्विचार करें। हमारे पास बाइबिल के आंकड़े हैं जो बताते हैं कि इस समय चल रही प्रशासनिक सूचियों को ऐतिहासिक भूगोल के साथ अच्छी तरह से सहसंबद्ध किया जा सकता है। और फिर, निःसंदेह, हमारे पास उस समय की स्मृति भी संरक्षित है जब डेविड और सोलोमन के इन राजाओं के अधीन उत्तर और दक्षिण दो नहीं, बल्कि एक राज्य थे।

जब हम पुरातात्विक संदर्भ को देखते हैं, तो हम बीच की भूमि से होकर चलने वाले व्यापार मार्गों के महत्व को भी इंगित कर सकते हैं। और इसका कुछ प्रतिबिंब हो सकता है, उदाहरण के लिए, शीबा की रानी की कहानी में, अरब व्यापार मार्ग, समुद्री यात्रा के प्रयासों का उल्लेख, और वाडी फिनान और तिम्ना घाटी में तांबे के उत्पादन के बारे में, जिसके बारे में मैंने अभी बात की है। फिर हमारे पास एक बहुत ही रोमांचक खोज भी है, वास्तव में, शायद खोजों की एक जोड़ी जिसका उल्लेख मैं आने वाली स्लाइड में करूंगा।

टेल डैन स्तेल, टेल डैन में पाया गया, हाँ। मेशा स्तेल, जिनमें से पहला, टेल डैन स्तेल, स्पष्ट रूप से डेविड के घर का उल्लेख करता है। तो, हम इसके आने के बारे में बात करेंगे, लेकिन यह 9वीं शताब्दी ईसा पूर्व का है और एक राजवंशीय घराने को संदर्भित करता है जो डेविड से आया था।

और हम इस समयावधि की कुछ पीढ़ियों के भीतर हैं। इसलिए, यदि हम इस राजवंशीय घराने को देखें और पीछे की ओर जाएं, तो यह ऐतिहासिक और बाइबिल रूप से प्रतिध्वनित होता प्रतीत होता है। जब हम इन भवन परियोजनाओं, स्मारकीय वास्तुकला के इस प्रश्न पर आते हैं, तो यहां चरणबद्ध पत्थर की संरचना है जिसका मैंने उल्लेख किया है।

और यहां हम हासोर, मेगिद्दो और गीजर के द्वार देखते हैं कि शुरुआती इज़राइली महान पुरातत्वविदों में से एक, यिगल यदीन, 1 राजा के अपने पाठ को पढ़कर और इन छह-कक्षीय द्वारों के साथ वास्तुशिल्प समानता को देखकर बहुत उत्साहित हो गए। और उसने कहा, यहाँ तुम जाओ। हमें ये द्वार मिले हैं जिनके बारे में बाइबल कहती है कि सुलैमान ने इसे बनवाया था।

उन्हें एक ही वास्तुशिल्प पैटर्न मिला है। यह, फिर, उच्च कालक्रम की इस पारंपरिक समझ के लिए इन आधारशिलाओं में से एक है। जैसा कि मैंने बताया, इसमें से कुछ पर सवाल उठाया गया है।

कुछ उत्खननों ने यह निर्धारित किया है कि यह अब फिट नहीं बैठता है, विशेष रूप से मेगिदो में, जबकि अन्य, जैसे कि हाज़ोर, अभी भी इस पारंपरिक समझ में बहुत अच्छी तरह से फिट बैठते हैं। फिर, इनमें से प्रत्येक के बारे में, जैसा कि आपने अनुमान लगाया, बहस चल रही है। एक बात के लिए, यह पुरातत्व है।

जब हम यरूशलेम में एक मंदिर और महल को देखते हैं, तो हम फिर से डेविड शहर में खोजी गई इस स्मारकीय वास्तुकला और सीढ़ीदार संरचना पर ध्यान देते हैं जो हम यहां देखते हैं। लोगों ने राजा सोलोमन के भण्डार नगरों और रथ नगरों का भी उल्लेख किया है। मूल रूप से, इन्हें मेगिडो में पहचाना गया था, जहां हमारे पास इनमें से कुछ स्तंभित भंडारगृह या अस्तबल हैं।

और फिर, कालानुक्रमिक बहस की इस बहस के भीतर, इन्हें अलग-अलग पुरातत्वविदों द्वारा अलग-अलग तरीके से दिनांकित किया गया है। जब हम विशेष राज्यों की ओर मुड़ते हैं, जिसकी शुरुआत उत्तरी साम्राज्य, या इज़राइल साम्राज्य से होती है, तो हम इतिहास के बीच एक अधिक स्पष्ट संबंध देखना शुरू करते हैं जैसा कि हम इसका वर्णन करेंगे और इतिहास जिसका प्राचीन अभिलेखों के साथ कुछ सत्यापन या संबंध हो सकता है। पुरातत्व. तो, हम उनमें से कुछ उदाहरण यहां देखेंगे।

उत्तरी साम्राज्य की उत्पत्ति का बाइबिल विवरण यह है कि रहबियाम द्वारा अपने लोगों की पुकार पर ध्यान देने में विफलता के जवाब में, एक निश्चित यारोबाम प्रथम, जिसने सुलैमान के अधीन एक वफादार अधिकारी के रूप में काम किया था, को राजा का ताज पहनाया गया था। ताजपोशी राजा. वहां मैं उन मध्यकालीन रूपकों का उपयोग करता हूं।

वह हर समय हमारे अंदर रेंगता रहता है। पारंपरिक समझ के अनुसार, उन्हें 930 के आसपास उत्तर के इस राज्य के शासक के पद पर पदोन्नत किया गया था। और वह नहीं चाहते थे कि लोग दक्षिण की राजधानी यरूशलेम जाएं।

इसलिए, हमारे पास उसके द्वारा डैन और बेथेल में धार्मिक स्थलों के निर्माण का वर्णन है। बेइतिम में बेथेल को किसी भी पंथ स्थल के रूप में सकारात्मक रूप से पहचाना नहीं गया है जिसे कई लोग बेथेल समझेंगे। लेकिन डैन को बताएं कि हमारे पास स्पष्ट रूप से 9वीं और 8वीं शताब्दी के व्यापक अवशेष हैं।

और अवशेष भी, 10वीं शताब्दी के बहुत सारे, जिनका श्रेय हम, हममें से कई लोग जेरोबाम प्रथम की इस प्रारंभिक निर्माण परियोजना को देंगे। और विशेष रूप से, डैन में एक मंदिर जिसके बारे में हम आने वाले व्याख्यान में संक्षेप में बात करेंगे। जब हम बड़ी तस्वीर देखते हैं, तो मैंने प्रस्तावना में 853 ईसा पूर्व में करकार की इस लड़ाई का उल्लेख किया है। हमारे पास ओमराइड्स की शक्ति के बहुत सारे उदाहरण हैं।

वे निश्चित रूप से एक अंतरराष्ट्रीय शक्ति थे। जैसा कि हम देखते हैं, उच्च या निम्न कालक्रम की परवाह किए बिना, व्यापक निर्माण परियोजनाएं जिनका श्रेय ओमराइड्स को दिया जा सकता है। उदाहरण के लिए, हमारे पास यिज़ेल शहर, यिज़ेल घाटी है।

उच्च या निम्न कालक्रम की परवाह किए बिना, मेगिदो में हमारे पास व्यापक वास्तुकला है। हमने असीरियन शिलालेखों में इज़राइल और महान असीरियन साम्राज्य के बीच संघर्ष का उल्लेख किया है। जब हमें मेशा स्तेल, या मोआबाइट पथर का एक बहुत ही महत्वपूर्ण शिलालेख लाने की आवश्यकता होती है, एक रोमांचक शिलालेख जिसमें मोआब के राजा मेशा का उल्लेख होता है, जो बाइबिल से जाना जाता है, और उसके देवता कामोश का भी उल्लेख करता है, जैसा कि हम जानते हैं बाइबल।

और साथ ही यहोवा और कुछ लोग तर्क देंगे, यहां तक कि एक टूटे हुए खंड में भी, डेविड के घर को संदर्भित किया गया है, जैसा कि टेल डैन स्तेल करता है। लेकिन ओमराइड्स के सत्यापन के बारे में जो महत्वपूर्ण है वह यह है कि राजा मेशा के शिलालेख के परिचय में मोआब के दृष्टिकोण से ओमराइड उत्पीड़न, मोआब के ओमराइड उत्पीड़न का उल्लेख है। तो, यह मोआब के ट्रांसजॉर्डनियन क्षेत्र पर ओमराइड्स के प्रभुत्व की बात करता है।

ओमराइड राजवंश का अंत एक निश्चित येहू के हाथों होता है, जहां येहू न केवल उत्तर के राजा जोराम को मारता है, बल्कि वह दक्षिण के राजा अहज्याह को भी मारता है। और हम फिर से यहां टेल डैन स्तेल के साथ एक अद्भुत संबंध पाते हैं। अब, टेल दान स्तेल एक निश्चित व्यक्ति की बात करता है जो एक निश्चित राजा को मारता है, जिसका नाम टूट गया है, लेकिन इसराइल के राजा जोराम और एक निश्चित अहज्याह के रूप में पुनर्निर्माण किया गया है, फिर से नाम टूट गया है, जो के घर का राजा है डेविड।

तो, यह यहूदा है। तो, एक प्रमुख अपवाद के साथ आपका यह घनिष्ठ संबंध है। स्तेल निश्चित रूप से अरामी दृष्टिकोण से बोल रहा है।

यह भगवान हदाद की पूजा करने की बात करता है। तो, कुछ लोग सुझाव देंगे कि यह हेज़ेल का स्तेल है। अब, ये दोनों आवश्यक रूप से असंगत भी नहीं हैं, इसमें हो सकता है कि येहू अरामी शक्तियों के साथ मिलकर काम कर रहा हो, और हेज़ेल उन दो हत्याओं का श्रेय ले रहा हो।

लेकिन पुरातात्विक रिकॉर्ड और बाइबिल में हम जो पाते हैं, उसके बीच एक बार फिर यह जड़ें, यह संबंध है। शाल्मनेसर III के ब्लैक ओबिलिस्क में भी जेहू का प्रसिद्ध उल्लेख किया गया है, और यहां तक कि कुछ लोग कहेंगे कि शाल्मनेसर के सामने घुटने टेकते हुए चित्रित किया गया है, इसलिए हमें एक इज़राइली राजा की तस्वीर मिलती है। हम बाइबल से जानते हैं, और सर्गोन द्वितीय के अभिलेखों में भी इसकी पुष्टि की गई है, कि इज़राइल अंततः नव-असीरियन दबाव के आगे झुक गया।

करकर की लड़ाई में वापस जाते हैं, तो अहाब 853 में शाल्मनेसर III को रोकने में सक्षम था, लेकिन 840 के दशक तक, जेहू पहले से ही असीरियन शक्ति के सामने आत्मसमर्पण कर रहा था, और प्रत्येक वार्षिक अभियान के साथ, असीरिया आगे बढ़ता गया और आगे और आगे बढ़ते हुए, और अंततः सामरिया पर कब्ज़ा करने में सफल हो गए। हमारे पास सामरिया में विनाश के व्यापक पुरातात्विक साक्ष्य नहीं हैं, लेकिन हमारे पास वास्तुकला में बदलाव हैं, हालांकि सामरिया

का पुरातत्व बहुत, बहुत जटिल है। लेकिन हमारे पास असीरिया और बाइबिल दोनों में उत्तरी साम्राज्य के अंत का रिकॉर्ड है।

तो, अब हम यहूदा के दक्षिणी राज्य की ओर मुड़ते हैं और याद करते हैं कि जैसा कि हमने डेविड के इस घराने के बारे में बात की है, हमारे पास एक अजीब वास्तविकता है जहां उन्हें यहूदा के रूप में नहीं जाना जाता है; वे वास्तव में डेविड के घर के रूप में जाने जाते हैं। हमारे पास अरामी घर भी हैं, जो ये आदिवासी राजवंशीय घर हैं, और हमारे पास, अटालिया के अपवाद के साथ, बाइबिल के राजा वंश की प्रस्तुति में प्रत्येक राजा डेविड के घर में है, पिता से पुत्र तक। इसलिए, यह उत्तर की तुलना में छोटा और कमजोर है।

हम तुलनात्मक वास्तुकला और निपटान पैटर्न के आधार पर, पुरातात्विक रूप से, यहां तक कि बहस को छोड़कर, इसकी पहचान करते हैं। लेकिन मैं कहता हूं कि बाइबिल के चित्रण की तुलना करें; इसका कारण यह है कि हम चीजों को थोड़ा पीछे ले जा सकते हैं या पाठ में ऐसी चीजें पढ़ सकते हैं जो वहां नहीं हैं, यह यरूशलेम के सांस्कृतिक महत्व के कारण है। क्योंकि यरूशलेम यहोवा का मंदिर था, जो उत्तर, इज़राइल और दक्षिण दोनों के राष्ट्रीय देवता थे।

और इसलिए, क्योंकि वह पहला राष्ट्रीय मंदिर यरूशलेम में था, यही कारण है कि यह ग्रंथों में ऊंचा है, और यह उत्तरी साम्राज्य की तुलना में लंबे समय तक बना रहता है। तो कहानी 722, 721 के बाद भी जारी है। यहूदा के दक्षिण के सबसे महान राजाओं में से एक, राजा हिजकिय्याह है, और विश्वास करें या न करें, हमारे पास वास्तव में राजा के अलावा किसी और की मुहर छाप नहीं है।

तब राजा हिजकिय्याह की शाही छाप का भी उपयोग किया गया था; हमारे पास एक और है जो वर्षों पहले पुरावशेषों के बाजार में था जिसे तब सत्यापित किया गया था क्योंकि हमें पुरातात्विक रूप से खुदाई की गई स्थिति में एक मिला था। बाइबिल के राजा हिजकिय्याह की मुहर छाप पाना बहुत रोमांचक है। सन्हेरीब शिलालेखों में भी उसे सन्हेरीब के नाम से जाना जाता है, जो एक नव-असीरियन शासक था, जिसने 701 ईसा पूर्व में दक्षिणी लेवंत की इन भूमियों के माध्यम से अभियान चलाया था।

हमारे पास पवित्रशास्त्र में राजाओं और यशायाह में प्रभु के दूत की यह नाटकीय कहानी है जो विनाश के कगार पर है, यहूदा को अशशूर के हाथों से बचा रहा है। और फिर हम असीरियन रिकॉर्ड की ओर मुड़ते हैं, और इस बारे में कुछ चर्चा और बहस होती है कि क्या यह एक या दो अभियान थे और इन चीजों को एक साथ फिट करने की कोशिश की जा रही थी। परन्तु हमें यह उल्लेख मिलता है कि वह आकर केवल इतना ही कह सकता है कि उसने यहूदावासी हिजकिय्याह को कैद कर लिया है।

वह उसका विशेष रूप से नाम लेकर उल्लेख करता है। उसे एक पिंजरे में एक पक्षी की तरह प्रसिद्ध रूप से कैद कर दिया गया, जो कि अमरना और अन्य चीजों से लेकर एक सामान्य साहित्यिक रूपांकन है। लेकिन उसने उसके शहर को नष्ट करने और उस पर कब्जा करने के बजाय उसे अपने शाही शहर में कैद कर दिया है।

तो, उस लड़ाई पर अलग-अलग दृष्टिकोण हैं, लेकिन सन्हेरीब शिलालेखों और बाइबिल चित्रणों के बीच, विस्तार स्तर पर भी, उल्लेखनीय पत्राचार हैं। तो, सन्हेरीब का कहना है कि उसने हिजकिय्याह से श्रद्धांजलि के रूप में 30 किक्कार सोना और 800 किक्कार चाँदी ली, जबकि बाइबल में कहा गया है कि 30 किक्कार सोना दिया गया था, जैसा कि सन्हेरीब में कहा गया था, लेकिन 300 किक्कार चाँदी दी गई थी। दिया गया। तो, बहुत सारे करीबी पत्राचार हैं।

और फिर असीरिया के हमले के लिए हिजकिय्याह की तैयारी के बारे में दुनिया भर में व्यापक पुरातात्विक साक्ष्य मौजूद हैं। तो, हमारे पास जार, स्टोर जार को चिह्नित करने का एक निश्चित रूप है, जिसे राजा के लिए लैमेलिक जार के रूप में जाना जाता है, जो असीरिया के हमले की तैयारी के लिए भीतरी इलाकों से राजधानी में आने वाले किसी प्रकार के आर्थिक प्रावधान का प्रतिनिधित्व करता है। हमारे पास हिजकिय्याह की सुरंग की खुदाई है, यह एक प्राकृतिक दरार का विस्तार हो सकता है जिसने गिहोन झरने के पानी को अधिक, संभवतः अधिक सुरक्षित स्थान की रक्षा के लिए पुनर्निर्देशित किया है।

हमारे पास पश्चिमी पहाड़ी को घेरने के लिए चौड़ी दीवार के रूप में जानी जाने वाली दीवार का निर्माण है, जो पहले बिना दीवार वाली थी। कई अलग-अलग संकेतकों के साथ, कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि इस असीरियन आक्रमण के कगार पर उत्तर से इजरायलियों के भागने के कारण यरूशलेम की जनसंख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। शायद सबसे स्पष्ट संबंध लाकीश स्थल के पुरातत्व में है, जो सन्हेरीब की सबसे बड़ी जीत थी।

चूँकि उसने यरूशलेम की राजधानी पर कब्ज़ा नहीं किया था, इसलिए वह लाकीश पर अपनी जीत के बारे में सबसे अधिक डींगें हंकता है। हमारे पास ये विस्तृत महल की राहतें और शिलालेख हैं जो लाकीश शहर को दर्शाते हैं और वास्तविक पुरातत्व से संबंधित हो सकते हैं जहां टावर और रैंप थे, लाकीश का विनाश, और बंदियों की परेड को सन्हेरीब के सामने लाया जा रहा था। और एक बार फिर, हमारा उन चीजों के साथ यह संबंध और सहसंबंध है जो वास्तव में उपयुक्त हैं।

तो, यह पुरातत्व और बाइबिल के पूरक संबंध में है। कुछ विवरण एक-से-एक नहीं हैं, लेकिन बाइबिल और पुरातात्विक डेटा के अभिसरण की यह बड़ी तस्वीर है। हिजकिय्याह के साथ इंगित करने योग्य एक और बात यह है कि हमारे पास बाइबिल में और भौतिक रिकॉर्ड में भी संकेत हैं कि हिजकिय्याह के अधीन और फिर योशियाह के अधीन, जिसने उसका अनुसरण किया, हमारे पास लिपिकीय गतिविधि में वृद्धि हुई है।

इसलिए, यह संभावना है कि इस समय के दौरान कई बाइबिल रचनाएँ लिखी गईं। यहाँ तक कि नीतिवचनों में हिजकिय्याह के पुरुषों द्वारा ज्ञान की बातें एकत्रित करने का भी उल्लेख किया गया है। यहूदा अपनी उत्तरी बहन इजराइल की तुलना में अधिक समय तक अस्तित्व में है, और उस समय सीमा में, हमारे पास नव-असीरियन साम्राज्य है जो अचानक समाप्त हो जाता है।

यह इतिहास के उन रोंगटे खड़े कर देने वाले तथ्यों में से एक है जहां नव-असीरियन साम्राज्य एक निश्चित अशर्बनिपाल के अधीन अपने चरम पर था, और उनका विस्तार मिस्र से लेकर

अनातोलिया के किनारों से लेकर समुद्र और पूरे मेसोपोटामिया तक था। और साथ ही, उनकी ऊंचाई के दौरान उनके राज्य का अंत भी हुआ, इतना अधिक कि हम निश्चित रूप से निश्चित नहीं हैं कि अशरबनिपाल ने शासन कब समाप्त किया। तो, असीरियन साम्राज्य के अंत के इस अशांत समय में, हमारे मिश्रण में मिस्र है।

हमारे पास कई अन्य शक्तियाँ हैं, लेकिन अंततः, नव-बेबीलोनियन साम्राज्य ने कब्जा कर लिया और उन्हें असीरियन साम्राज्य विरासत में मिला। वे विदेश नीति पर एक अलग दृष्टिकोण अपनाते हैं, अधिक विनाश करते हैं और प्रांतों की कार्यप्रणाली में निवेश करने के बजाय सब कुछ राजधानी में लाते हैं। लेकिन यह नबूकदनेस्सर द्वितीय के अधीन बेबीलोनियाई ही थे जिन्होंने अंततः मंदिर सहित यरूशलेम पर कब्जा कर लिया और उसे नष्ट कर दिया।

वे 597 में पहली लहर में शुरू होते हैं और फिर अंततः 587 या 586 ईसा पूर्व के विनाश में। हमने बेबीलोनियन क्रॉनिकल में 597 में उस पहली घुसपैठ को दर्ज किया है और यहां तक कि बेबीलोन में भी राशन सूचियों के साथ कुछ दिलचस्प संबंधों के साक्ष्य, यहूदाइयों के अन्य सबूतों के साथ दर्ज किए हैं जो तब बेबीलोन में रहते थे। हमारे पास इस अवधि के अभिलेखों में नाम दिखाई दे रहे हैं।

तो यह हमारी चर्चा को प्रस्तुत करता है, शुरुआती दिनों से लेकर यहूदा और इज़राइल के समानांतर इतिहास तक इज़राइली साम्राज्यों की एक बहुत ही संक्षिप्त चर्चा। और हम अक्सर सोचते हैं कि जब हम प्राचीन इज़राइल के इतिहास और संस्कृति को देखते हैं, तो उसका ध्यान हमेशा अभिजात वर्ग, राजाओं, महान साम्राज्यों के आंदोलनों पर होता है। इसलिए, अंतिम व्याख्यान में, मैं प्राचीन इज़राइल की संस्कृति, सामाजिक संरचना के बारे में अधिक व्यापक रूप से बात करने जा रहा हूँ।

हम भोजन के कुछ अलग तरीकों और फिर धर्म पर भी नज़र डालेंगे जो प्राचीन इज़राइल के अस्तित्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा होगा। और, निःसंदेह, उत्तराधिकारी। हम उस परंपरा के अधिकांश उत्तराधिकारी हैं।

यह पुरातत्व और पुराने नियम पर अपने शिक्षण में डॉ. जोनाथन ग्रीर हैं। यह सत्र 4, हिब्रू साम्राज्य है।